शिव शंकर की ईच्छा से

ॐ नमः शिवाय बोलो,
ॐ नमः शिवाय,
ॐ नमः शिवाय बोलो,
ॐ नमः शिवाय,
शिव शंकर की ईच्छा से ही तो,
जगत ये सारा चलता है,
इच्छा से शिव की सुबह होती,
शाम का सूरज ढलता है,
शिव शंकर की ईच्छा से ही तो,
जगत ये सारा चलता है.........

जीवन मृत्यु, हाथ में शिव के,
श्रष्टि हर बार शिव ही रचे,
सुख दुःख देने वाला शिव है,
शिव सबका ही भाग्य लिखे,
दूर अँधेरे करने भोले,
बनके दीपक जलता है,
शिव शंकर की ईच्छा से ही तो,
जगत ये सारा चलता है...

शिव ही बनाए, शिव ही मिटाए,
जग के शिव पालन करता,
ब्रह्म विष्णु शिव के उपासक,
देवों के दुःख हर्ता,
जो प्राणी ना माने शिव को,
स्वंय को वो तो छलता है,
शिव शंकर की ईच्छा से ही तो,
जगत ये सारा चलता है......

जो भी शिव की साधना करता,
उसके मन को शक्ति मिले,
शिव को समर्पित जो हो जाए,
उसको सच्ची मुक्ति ही मिले,
जो भी आए शिव की शरण में,
संकट उसका टलता है,
शिव शंकर की ईच्छा से ही तो,
जगत ये सारा चलता है......

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26234/title/shiv-shankar-ki-icha-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |